कन्ज़ुल ईमान फ़ाउनडेशन

से जुड़ कर

फरोगे दीन

तालीम	इल्म	रज़वियात

के लिए काम कीजिये

प्रस्तुतकर्ता:

Kanzuliman
FOUNDATION
Registered under Indian Trusts Act | Registration. No. 237

1st F, Kanqah e Aaliya Qadriya, Razviya,
Nooriya Tehseeniya, Allama Tahseen Raza
Khan Street, Kankar Tola, Old City
Bareilly Shareef (UP), India I Pin: 243001

प्रधान कार्यालय

प्रथम तल, खानकाहे सदरुल उलमा
अल्लामा तहसीन रज़ा खान स्ट्रीट,
कांकर टोला पुराना शहर,
बरेली शरीफ (उ०प्र०) - भारत

परिचय:

कन्ज़ुल ईमान फ़ाउनडेशन का नाम आला हज़रत इमाम अहमद रज़ा खान बरेलवी ( ) के प्रसिद्ध कुरानी अनुवाद के नाम पर रखा गया है । कन्ज़ुल ईमान लाइब्रेरी २००६ में स्थापित की गयी थी उस वक़्त आला हज़रत के खानदान के युग पुरुष प्रसिद्ध आलिमे दीन मौलाना तहसीन रज़ा खान मोहद्दिस बरेलवी ( ) ने कन्ज़ुल ईमान लाइब्रेरी को अपनी मुबारक सरपरस्ती में लिया । ये लाइब्रेरी उस समय रज़ा चौक सैलानी, बरेली में एक छोटे से कमरे से शुरू की गयी थी तब उस में शुरुआत में सिर्फ ५० किताबो से ही लाइब्रेरी शुरू की गयी थी, मगर आज इस लाइब्रेरी में कई अलमारियो में बीस हज़ार किताबे मौजूद हैं । जिन में फतावा, तसव्वुफ़, साइंस, इतिहास, हदीस, इल्मे दीन आदि सभी विषयों की किताबें हैं ।

हमारा मिशन:

हमारा ख़ास मकसद आला हज़रत की तहक़ीक़ी विरासत और उनकी तालीमात पर काम करना है । रज़वियात की ईशाअत के हदफ़ के हुसूल के लिए हम ने अपना मिशन फरोगे अहले सुन्नत के लिए आला हज़रत के दिए हुए दस निकाती प्रोग्राम के मुताबिक बनाया है । आज यह कन्ज़ुल ईमान लाइब्रेरी आगे बढ़ कर कन्ज़ुल ईमान फ़ाउनडेशन के नाम से एक संस्था के रूप में जानी जाती है । आला हज़रत के नज़रिए को अमली जामा पहनाते हुए कई शोबाजात में अपनी दीनी आवामी खिदमात को अंजाम देते हुए ये तंजीम नौजावानो की एक ऐसी वाहिद मरकजी तंजीम की हैसियत से मंजरे आम पर शोहरत पा रही है जो तालीम और इल्म के फरोग के लिए लगातार अपनी कोशिशे कर रही है । अब तक कन्ज़ुल ईमान फ़ाउनडेशन के मुल्क भर में १५ से ज्यादा आफिस, ब्रांच और लाइब्रेरी वगैरा कायम हो चुकी हैं । जिस का मनेजमेंट चलाने के लिए अलग अलग प्रदेशो में हमारी टीम के तजुर्बे कार रजाकार मरकज़ की सरपरस्ती में फरोगे दीन का अज़ीम फ़र्ज़ निभा रहे हैं ।

अब तक की उपलब्धियां और योजनायें:

- आला हज़रत के मश्हूर कुरानी तरजुमे कन्ज़ुल ईमान का विभिन्न भाषाओं में यूनिवर्सिटी कालेज, स्कूल और आवाम तक पहुचाना (अब तक ५०००० से ज्यादा पहुचाये है)
- छात्रो को आवश्यकतानुसार वजीफा देना और आला हज़रत ( ) पर पी एच डी करने वाले रिसर्च स्कालरो की थीसिस लिखने में मुनासिब मदद करना ।
- उलमा से आवाम को जोड़ने के लिए आन लाइन इस्तिफ्ता पूछने, हफ्ता वारी नूरी महफ़िल, दर्स वगैरा का आयोजन करना ।
- इस्लामी बहनों की तरबियत के लिए अलग शोबा बनाया गया है जिस में उनकी तरबियत की जाती है ।
- दीनी तालीम के साथ साथ दुनियावी तालीम के लिए मदारिस कायम करना ।
- मसलके आला हज़रत के फरोग के लिए आला हज़रत की कुतुब व रसाइल वगैरह उपलब्ध कराना ।

- आला हज़रत पर हो चुकी पी एच डी के थीसिस वगैरा की आलमी इशाअत करना और हो रही पी एच डी पर स्कालरो की पूरी मदद करना ।
- छात्रो की हौसला अफजाई के लिए समयानुसार इनाम वगैरा तकसीम करना ।
- मदरसे के छात्रो को आधुनिक विषय सिखाने के लिए मुफ्त कम्प्युटर ट्रेनिंग के कोर्स चलाना ।
- दुनियावी इल्म हासिल करने वाले छात्रों को दीनी इल्म सिखाने के लिए मुफ्त तजवीद क्लास और इस्लामी क्लास वगैरा का पूरा इनिजाम है ।
- आलमी सतह पर सुन्नी आलिमो, इस्लामी जानकारों और दुनयावी स्कालरो को जमा कर के फरोगे राज़वियात के लिए काम करना ।
- दीनी मदरसों और लाइब्रेरी का कयाम करना जिस में दुनियावी उलूम जैसे कम्प्युटर वगैरह और अंग्रेजी ज़बान सीखने का भी इन्तिज़ाम हो ।
- राज़वियात के फरोग के लिए आलमी सतह पर पांच ज़बानों में किताबे, शोध पत्र, थीसिस, वगैरा का प्रकाशन करना ।
- बुज़ुर्गान दीन के इल्मी और तहरीरी तबर्रुकात को महफूज़ करना ।
- सुन्नी नौजावानो को रोज़गार के अवसर प्रदान करना ।
- दीन के फरोग के लिए इल्मी और अदबी नशिस्त, सेमीनार वगैरा का आयोजन करना ।
- सुन्नी नौजवानों को दीनी और दुनियावी उलूम से जोड़ना ।
- हाजियों के लिए हज ट्रेनिंग कैम्प वगैरा लगवाना ।
- इस्लामी बहनों के लिए मुनासिब रिश्ते की कोशिश करना ।
- अहले सुन्नत की क़ुतुब व रसाइल को हर हर आम व ख़ास तक पहुचाना ।
- खानकाही नशिस्तो, उर्सो वगैरह में हिस्सा लेना ।
- राज़वियात पर सालाना जरनल निकालना और सभी लेखको के कापी राइट की सुरक्षा करना ।
- मिल्लते इस्लामिया के जिस्मानी इमाराज़ और सेहत के लिए इस्लामी नज़रियात व उसूल पर आधारित हेल्थ केयर सेंटर और कैम्प बनाना जिस में परेशान हाल लोगो को इलाज के लिए मश्वरा दे कर मदद की जाए ।
- भूखे, गरीब और मजबूर लोगो के लिए रोटी बैक वगैरा खोलना ।
- इस्लामी प्रोजेक्ट जैसे तजवीद साफ्टवेयर, इस्लामी टेबलेट पर काम कर के दीन को फरोग देना ।
- दीनी और दुनियावी कोर्स में दाखिले के लिए रहनुमाई करना ।

अधिक जानकारी के लिए हेड आफिस से संपर्क करे

या

हमारी वेब साईट www.kanzuliman.org पर लाग आन करे I

या

इन नम्बरों पर संपर्क करे ।

+91- 9555014879

+91-9506215324

+91-8923761145